पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.) 05/0084/09-11

इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
आर्य कार्यकर्ता बैठक
रविवार, 17 जुलाई 2011
प्रात: 11 से 1.30 बजे तक
सार्वदेशिक सभा, दयानन्द भवन
आसफ अली रोड, नई दिल्ली
प्रीतिभोज : दोपहर 1.30 बजे
आप सादर आमंत्रित हैं
–महेन्द्र भाई, महामन्त्री

वर्ष-28 अंक-03 आषाढ़-2068 दयानन्दाब्द 188 1 जुलाई से 15 जुलाई 2011 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
Website : www.aryayuvakparishad.com aryayouthgroup@yahoogroups.com E-mail : aryayouth@gmail.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य समापन

संस्कारवान युवा ही देश में आमूल चूल परिवर्तन ला सकते हैं

–राजपाल त्यागी (कृषि, शिक्षा व अनुसंधान मंत्री, उत्तर प्रदेश) का आह्वान

युवा नेता श्री आनन्द चौहान को सम्मानित करते उ.प्र. सरकार के मंत्री श्री राजपाल त्यागी व श्री महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र में दीप प्रज्जवलित करते श्री राजपाल त्यागी व साथ में डॉ. अनिल आर्य, श्री आनन्द चौहान, श्री मायाप्रकाश त्यागी व श्री मन्जीत सिंह चौहान

नोएडा। रविवार, 19 जून 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में गत 11 जून से ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा में चल रहे 'आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर' का भव्य समापन हो गया। शिविर में 200 किशोर व युवकों ने प्रात: 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक अनुशासित दिनचर्या में रहकर नैतिक शिक्षा, योगासन, दण्ड-बैठक, लाठी, जूडो-कराटे, बॉक्सिंग, स्तूप, तलवार, डम्बल, लेजियम, संध्या-यज्ञ, भाषणकला, नेतृत्व कला, देश भक्ति की भावना, भारतीय संस्कृति की महानता पर शिक्षकों व विद्वानों से बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री राजपाल त्यागी (कृषि, शिक्षा व अनुसंधान मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार) ने कहा कि शिविर में प्रशिक्षित युवकों को अब समाज में व्याप्त अन्धविश्वास व सामाजिक कुरीतियों को मिटाकर एक अच्छे समाज की संरचना का कार्य करना है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्रांति के अग्रदूत थे। उनके स्वप्नों के भारत का निर्माण युवा पीढ़ी को करना है, संस्कारवान युवा ही देश में आमूल चूल परिवर्तन कर सकते हैं। आर्य युवकों को समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का कार्य करना है। उन्होंने कहा कि चरित्रवान युवा ही राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं।

समारोह अध्यक्ष ऐमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री आनन्द चौहान ने कहा कि देश के उत्थान व प्रगति में चरित्र निर्माण शिविरों का अपना विशेष महत्व है। इन युवकों ने ही देश को बदलने में व विश्व के अग्रणी देशों में अपना स्थान बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभानी है।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने कहा कि चरित्रवान युवक ही राष्ट्र की अमूल्य सम्पत्ति हैं। यह युवक समाज में जाकर राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए कार्य करेंगे। आर्य उपप्रतिनिधि सभा गाजियाबाद के प्रधान श्री मायाप्रकाश त्यागी ने कहा कि युवा शक्ति देश की रीढ़ है, इनके निर्माण से ही देश बच सकता है। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) के मधुर भजन हुए। श्री सुभाष सिंघल, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, बहन गायत्री मीना, डॉ. डी.के. गर्ग, गवेन्द्र शास्त्री, परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द्र भाई, प्रान्तीय महामन्त्री प्रवीन आर्य, नरेन्द्र आर्य, श्रद्धानन्द शर्मा, प्रान्तीय अध्यक्ष आनन्दप्रकाश आर्य ने भी अपने ओजस्वी विचार रखे। मुख्य शिक्षक कृष्णपाल सिंह व योगेन्द्र आर्य के निर्देशन में युवकों के भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की।

आर्य नेता सत्यवीर चौधरी, अशोक सिब्बल, यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, के. के. यादव, सुरेश आर्य, दर्शन अग्निहोत्री, मुंशीराम सेठी, रवि चड्ढा, प्रभा सेठी, के.एल. राणा, माता सुदर्शन खन्ना, डॉ. दयानन्द आर्य, वीरेन्द्र हुड्डा, रोशनलाल आर्य, प्रमोद चौधरी, ओमप्रकाश शास्त्री, राजकुमारी शर्मा, देवदत्त आर्य, राजेश मेहन्दीरत्ता, महावीर सिंह आर्य, राजेन्द्र सिंह, दिनेश आर्य, ओमप्रकाश भावल, जगदीश शरण आर्य, जितेन्द्र सिंह आर्य, रामकृष्ण शास्त्री, बलजीत सिंह आर्य (कौल) रामभरोसे शाह, माता लक्ष्मी सिन्हा, सी.एल. मोहन, अमीरचन्द रखेजा, संतोष शास्त्री, कै. अशोक गुलाटी, धर्मपाल आर्य, यज्ञवीर चौहान, सुदेश भगत, विश्वनाथ आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। समारोह में हजारों लोगों ने पधारकर युवा शक्ति का उत्साहवर्धन किया व ऋषि लंगर का आनन्द लेकर उत्साह के साथ घरों को लौटे।

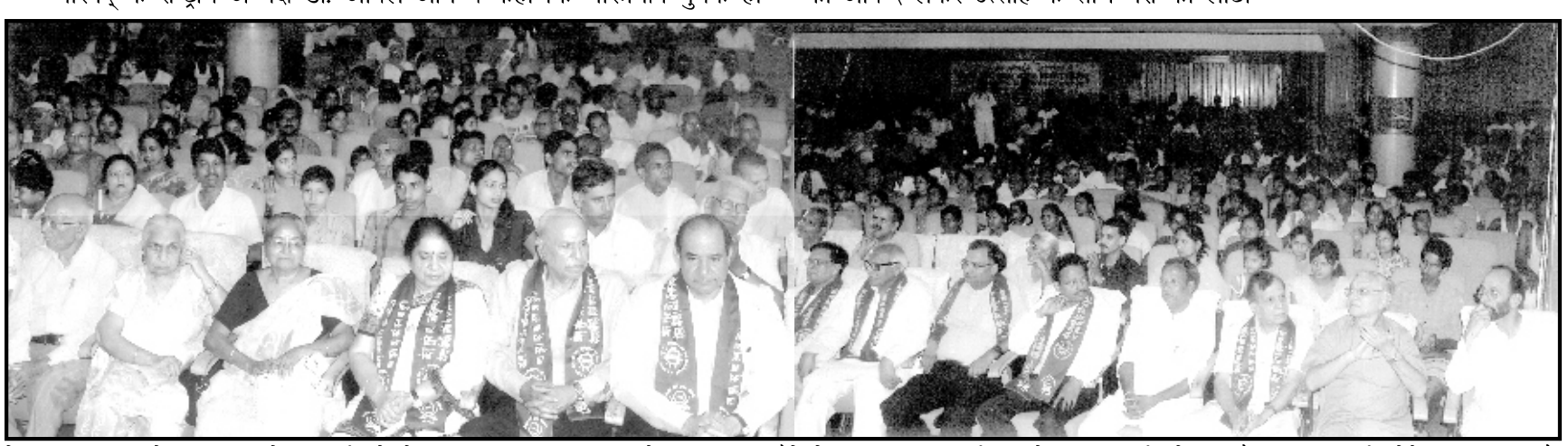

ऐमिटी सभागार में उपस्थित स्नेही आर्यजनों से खचाखच भरा हाल, चाहे किसी भी कौने में परिषद् का कार्यक्रम हो, वहीं आर्यजनों का सैलाब आशीर्वाद देने पहुंच जाता है।

यज्ञों की सार्थकता: पर्यावरण-परिशोधन के परिप्रेक्ष्य में

-ईश्वर दयाल माथुर

सांस्कृतिक पराभव काल (मध्ययुग) में तथा पश्चात् एक अवधारणा यह बनती चली गई कि यज्ञ अथवा अग्निहोत्र केवल धार्मिक-परिपाटी या अनुष्ठान हैं इस प्रकार यज्ञों के निष्पादन का ''सर्वेभवन्तु सुखिनः सर्वेसन्तु-निरामया'' वाला उद्देश्य गौण प्रायः हो चला था। जबकि वैदिक काल में यज्ञ अथवा अग्निहोत्र का प्रादुर्भाव विशुद्ध वैज्ञानिक सिद्धान्तों पर होकर जनजीवन को ''शतं जीवेम् शरदः शतम्'' का लक्ष्य प्राप्त कराना था।

आज विश्व में जन जीवन की स्थिति एक दम उलटा है। ''ग्लोबल वार्मिंग'' के कारण अनेक संकट एवं आपदायें दस्तक दे चुके एवं दे रहे है। इससे निपटने के लिए समूचे विश्व को ''कोपेन हेगेन' जैसे सम्मेलनों एवं ऊर्जा बचत एवं पृथ्वी दिवस के माध्यम से एक मंच पर आकर पर्यावरण परिशोधन के लिए विचार करना पड़ा। इसके साथ ही स्वाईन फ्लू (एच-वन, एन-वन) जैसी महामारियों ने भी पांव पसारे। निदान स्वरूप यूँ तो अत्याधुनिक उपचारों एवं औषधियों की भरमार हैं फिर भी लक्ष्य अति दूर ही है।

उपचार एवं औषधियों के अतिरिक्त महामारियों एवं पर्यावरणीय प्रदूषण की विभीषिका को टालने अथवा कम करने में क्या कोई अन्य विधि भी कारगर हो सकती हैं यह जानने के लिए समाजसेवी एवं सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् (राजस्थान) प्रदेशाध्यक्ष श्री यशपाल ''यश'' से सम्पर्क किया गया।

अपने जयपुर नगर का ही उदाहरण देते हुये यशपाल ''यश'' ने 2009-10 में इंडियन आईल कॉरपोरेशन के डिपों में अग्निकाण्ड और तदजनित पर्यावरण प्रदूषणों व साथ ही राजस्थान में भी पनप रही महामारी स्वाईन फ्लू का उल्लेख करते हुए अग्निहोत्रों के उद्देश्य को इस सन्दर्भ में परिभाषित किया। महामारी एवं पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभाव से निपटने में शासकीय प्रयास अपर्याप्त रहने की स्थिति में नगर के बौद्धिक वर्ग एवं समाज सेवियों की चिन्ता बढ़ चली। यशपाल यश ने स्पष्ट किया कि इस दिशा में सर्वप्रथम पहल नगर के आर्य समाजों ने संयुक्त रूप से की। आर्य समाज स्वाईन फ्लू निवारण यज्ञ समिति का गठन हुआ जिसके संयोजक मानसरोवर आर्य समाज के अर्जुन देव कालड़ा एवं स्वयं (यशपाल यश) बनाए गए। इस समिति के तत्वावधान में मानसरोवर, मालवीय नगर, वैशाली नगर, त्रिवेणी के 10-बी तथा स्वेज फार्म क्षेत्रों में चरणबद्ध स्वाईन फ्लू निवारण भेषज यज्ञ सम्पन्न हुए। दावे के साथ यश ने बताया कि परिणाम अति उत्साह जनक रहे।

अपने दावे की पुष्टि में श्री यश ने इस यज्ञों के दौरान किए गए दो बार के वैज्ञानिक परीक्षणों का ब्यौरा दिया जिसे यूँ प्रस्तुत किया जा रहा है :-

प्रथम परीक्षण

1. स्वाईन फ्लू (एचवन-एनवन) महामारी :-

दिनांक 18,19, 20 दिसम्बर 2009 को मानसरोवर क्षेत्र के परशुराम पार्क में यज्ञ के दूसरे दिन मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर के वैज्ञानिक दल ने यज्ञ में आहुतियों से पूर्व व आहुतियों के पश्चात् क्रमिक दूरी पर स्थापित प्लेटों पर नमूने एकत्रित किए। ये प्लेटे वेदी (हवन कुण्ड) से क्रमशः दो मीटर, सात मीटर एवं अठाईस मीटर की दूरी पर स्थापित थी। आहुतियों के प्रभाव-अंकन के लिए ''न्यूट्रिएण्ट आगर'' एवं पोटेटो डैक्स्ट्रोज आनन को आधार बनाया गया है।

MNIT की रिपोर्ट के अनुसार यह परिणाम इस प्रकार रहा :-

	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J
1.		**Total Mircrobil Plate Count arround Shudhi Karn Havan Kkund**								
2.			**Nutrient Agar**				**Potato Dextrose Agar**			
3.				Plate 1		Plate 2		Plate 1		Plate 2
4.	S.No.	Distance Havan Kund	Total Count	Fungal Count	Total Count	Fungal Count	Total Count	Fungal Count	Total Count	Fungal Count
5.	1.	2m	82	12	79	8	92	14	85	11
6.	2	7m	131	31	125	35	115	5	150	18
7.	3	28m	179	19	182	22	159	15	162	18

उपर्युक्त रिपोर्ट के परिणाम बताते हैं कि हवन कुण्ड के समीप वायरस एवं फंगस काउण्ट अन्य दूरस्थ प्लेटों के काउण्ट से कम हैं। यह उस स्थिति में है जब कि यज्ञ खुले में एकल कुण्ड के माध्यम से था।

2. पर्यावरण प्रदूषण परमाणु विकिरण तथा ग्लोबल वार्मिंग :-

इस भयावह परिस्थिति का नवीनतम उदाहरण जापान त्रासदी। जिसके भूकम्प ज्वालामुखी। विस्फोट एवं सुनामी तत्पश्चात् परमाणु रिएक्टरों में रिसाव ने शेष विश्व को भी कम्पायनमान कर दिया। ऐसे विनाशक परिणामों के निवारणार्थ श्री यश बतलाते हैं कि दिनांक 23 मार्च 2011 को राजस्थान विश्वविद्यालय के भौतिक शिक्षा विकास केन्द्र (सी.डी.पी.ई.) में यज्ञ का प्रतिदिन आयोजन किया गया। बन्द कमरे में इस यज्ञ को सम्पन्न करने में सम्मिलित थे, आयुर्वेद दर्शन पर काम कर रहे स्वामी कृष्णानन्द, यशपाल यश एवं सी.डी.पी.ई. के निदेशक प्रो. वाई.के. विजय। प्रो. विजय के निदेशन में शोध सम्पन्न हुआ। बन्द कमरे में बीटा पार्टिकल का रेडिएशन रिकार्ड किया गया और इसमें पाया गया कि जैसे-जैसे यज्ञ का धुआं बढ़ा, रेडिएशन 30 प्रतिशत तक कम होता गया। यज्ञ से पहले रेडिएशन डिटेक्टर पर विकिरण 513 बीटा पार्टिकल/मिनट व यज्ञ के दौरान 342 रह गया। प्रो. वाई. के. विजय ने बताया कि धुएं से निकलने वाले अणु रेडियशन में मौजूद अल्फा, बीटा और गामा पार्टिकल से टकराते हैं और अपनी काफी ऊर्जा खो देते हैं। इस तरह विकिरण का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। जापान के वर्तमान रेडिएशन के विनाश को यज्ञ के प्रभाव से कम किया जा सकता है।

उपर्युक्त यज्ञ प्रक्रिया के साक्षी स्थानीय इलेक्ट्रोनिक एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध जन थे। यदि ऐसे यज्ञ सार्वजनिक स्थानों पर सामूहिक रूप से अनेक हवन कुण्डों के माध्यम से किये जाये तो निश्चित तौर पर उद्देश्य में सफलता मिल सकती हैं

इन विशेष, भैषज यज्ञों में हव्य पदार्थों के विषय में जानकारी देते हुए यश बतलाते हैं कि सामान्य यज्ञों में हव्य पदार्थों के अतिरिक्त गौघृत, नीम, आक, व यूक्लिपतस के पत्ते तथा गुग्गुल, लोबान आदि 25 अन्य विशेष द्रव्यों का अनुपातिक मिश्रण होना जाता है। समग्रतः केन्द्र व राज्य सरकारों के जन स्वास्थ्य विभाग औषधियों एवं उपचार उपकरणों पर भारी बजट व्यय करते हैं। श्री यश के अनुसार सरकारें यदि इस बजट का कुछ अंश ही भैषज यज्ञों पर भी व्यय करें तो जनहित में यह कारगार निदान होगा। भैषज यज्ञों से किसी भी प्रकार के अन्य दुष्प्रभाव (साईड इफेक्ट) की आशंका नहीं होती। अन्य जानकारियों के लिए श्री यशपाल यश से मोबाईल 09414360248 पर सम्पर्क साधा जा सकता है।

157, सन्तोष नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर-302019 मो. 09351219348

एन.ए.सी. का हिन्दू विरोधी विधेयक

-डॉ. कैलाशचन्द्र, रोहिणी, दिल्ली

राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) द्वारा तैयार किया गया प्रस्तावित 'साम्प्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक' यदि संसद द्वारा पारित कर दिया गया तो मुस्लिम, ईसाई आदि अल्पसंख्यक समूहों को हिन्दुओं के प्रति घृणा फैलाने, हिन्दुओं को प्रताड़ित करने और हिन्दू महिलाओं से बलात्कार करने के लिए प्रोत्साहन मिल जायेगा क्योंकि इस प्रस्तावित कानून के अन्तर्गत यदि बहुसंख्यक वर्ग अर्थात् हिन्दू किसी अल्पसंख्यक समूह के प्रति घृणा फैलाएं या हिंसा करें या यौन उत्पीड़न करें तो हिन्दुओं को दंडित करने का प्रावधान है किन्तु मुस्लिम, ईसाई आदि अल्पसंख्यक समूहों द्वारा हिन्दुओं के प्रति घृणा फैलाई जाये या हिंसा की जाये या बलात्कार आदि यौन शोषण किया जाये तो उन अल्पसंख्यकों को किसी प्रकार का दण्ड देने का कोई प्रावधान नहीं है।

इतना ही नहीं यदि कोई अल्पसंख्यक उपरोक्त अपराधों के लिए किसी बहुसंख्यक व्यक्ति या संगठन के विरुद्ध शिकायत करता है तो उसकी जांच किये बिना ही उस व्यक्ति एवं संगठन को अपराधी मानकर उसका संज्ञान लिया जायेगा। इस अपराध की असत्यता सिद्ध करना अपराधी का दायित्व होगा।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस विधेयक में 'समूह' की परिभाषा धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक वर्ग ही है, बहुसंख्यक वर्ग के लिए समूह शब्द का प्रयोग नहीं है और केवल समूह के विरुद्ध घृणा, हिंसा आदि किया गया अपराध ही अपराध माना जायेगा। इस विधेयक के भाग दो की धारा 7 में निर्धारित किया गया है कि किसी व्यक्ति को उस स्थिति में यौन संबंधी अपराध के लिए दोषी माना जायेगा यदि वह अल्पसंख्यक समूह से संबंध रखने वाले व्यक्ति से यौन अपराध करता है। इस विधेयक की धारा 8 में यह निर्धारित किया गया है कि घृणा संबंधी प्रचार उस स्थिति में अपराध माना जायेगा जब कोई व्यक्ति किसी अल्पसंख्यक समूह से संबंध रखने वाले व्यक्ति के विरुद्ध घृणा फैलाता है। धारा 9 में साम्प्रदायिक हिंसा संबंधी अपराधों का वर्णन है। कोई व्यक्ति अकेले या मिलकर या किसी संगठन के कहने पर किसी अल्पसंख्यक समूह के विरुद्ध कोई गैर कानूनी कार्य करता है तो उसे संगठित साम्प्रदायिक एवं लक्षित हिंसा के लिए दोषी माना जायेगा। धारा 10 में उस व्यक्ति को दंड दिये जाने का प्रावधान है जो किसी अल्पसंख्यक समूह के खिलाफ अपराध करे करने अथवा उसका समर्थन करने हेतु पैसा खर्च करता है या पैसा उपलब्ध कराता है।

इस प्रस्तावित विधेयक में यह मान लिया गया है कि साम्प्रदायिक हिंसा केवल बहुसंख्यक समुदाय के सदस्यों द्वारा ही पैदा की जाती है और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य कभी ऐसा नहीं करते। बहुसंख्यक समुदाय के सदस्यों द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ किये गये साम्प्रदायिक अपराध तो दण्डनीय हैं, अल्पसंख्यक समूहों द्वारा बहुसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ किये गये ऐसे अपराध कतई दंडनीय नहीं माने गये हैं। अतः इस विधेयक के तहत यौन संबंधी अपराध इस हालात में दंडनीय हैं यदि वह किसी अल्पसंख्यक समूह के किसी व्यक्ति के विरुद्ध किया गया हो। अल्पसंख्यक समुदाय के विरुद्ध घृणा संबंधी प्रचार को अपराध माना गया है जबकि बहुसंख्यक समुदाय के मामले में ऐसा नहीं है। संगठित और लक्षित हिंसा, घृणा संबंधी प्रचार, ऐसे व्यक्तियों को वित्तीय सहायता, जो अपराध करते हैं, यातना देना या सरकारी कर्मचारियों द्वारा अपनी ड्यूटी में लापरवाही, ये सभी उस हालात में अपराध माने जायेंगे यदि वे अल्पसंख्यक समुदाय के किसी सदस्य के विरुद्ध किये गये हों अन्यथा नहीं। अल्पसंख्यक समुदाय का कोई भी सदस्य इस कानून के तहत बहुसंख्यक समुदाय के विरुद्ध किये गये किसी अपराध के लिए दंडित नहीं किया जा सकता। केवल बहुसंख्यक समुदाय के सदस्य ही ऐसे अपराध कर सकते हैं और इसलिए इस कानून का विधायी मंतव्य यह है कि चूंकि केवल बहुसंख्यक समुदाय के सदस्य ही ऐसे अपराध कर सकते हैं अतः उन्हें ही दोषी मानकर उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। इस विधेयक में धर्म या जाति के आधार पर भेदभाव क्यों किया गया है? अपराध तो अपराध है चाहे वह किसी भी वर्ग के व्यक्ति ने किया हो। इस विधेयक को तैयार करने वाली एनएसी के सदस्यों श्रीमती सोनिया गांधी जी द्वारा चुने हुए लोग ऐसे लोग हैं जो कि प्रायः माओवादियों के पक्ष में वक्तव्य देते रहे हैं। इस विधेयक से श्रीमती सोनिया गांधी की हिन्दू विरोधी मानसिकता का पता चलता है।

पथ संचलन करते आर्य युवक व आर्य समाज वसुन्धरा का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

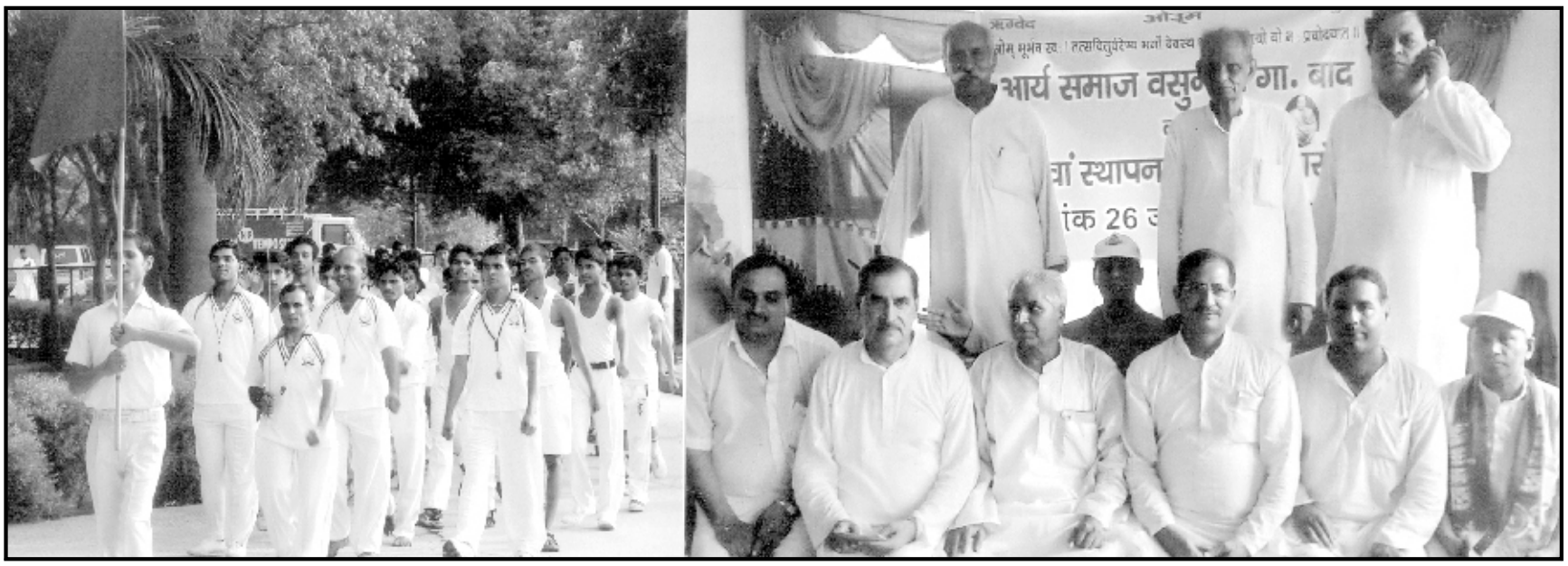

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के ऐमिटी नोएडा शिविर में आर्य युवक पथ संचलन करते हुए व दाएं चित्र में आर्य समाज वसुन्धरा, गाजियाबाद के दसवें वार्षिकोत्सव (26 जून 2011) पर मंच पर श्री रामकुमार सिंह, श्री यशोवीर आर्य, श्री मायाप्रकाश त्यागी, श्री महेन्द्र भाई, श्री यज्ञवीर चौहान, श्री रामदेव आर्य, विनोद मांगलिक, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार व प्रवीन आर्य।

देहरादून में आर्य वीरांगना शिविर सौल्लास सम्पन्न

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल द्वारा दिनांक 19 जून से 26 जून 2011 तक द्रोणस्थली आर्य कन्या गुरुकुल देहरादून में 'शिक्षिका प्रशिक्षण शिविर' आयोजित किया गया, जिसमें 80 वीरांगनाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य अतिथि डॉ. महावीर जी अग्रवाल ने ध्वजारोहण कर शुभकामनाएं प्रदान कीं।

डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता, डॉ. अन्नपूर्णा जी, स्वामी आशुतोष, श्री चमनलाल रामपाल, डॉ. उत्तमा यति, श्रीमती मृदुला चौहान ने अपना आशीर्वाद प्रदान किया। श्रीमती विमला मलिक, श्रीमती उमा मोंगा, कमला देवी, जया बहन जी, अभिलाषा आर्या, सचिन आर्य, कु. नमिता आर्या के पुरुषार्थ से शिविर शानदार सफलता से सम्पन्न हुआ।

एटा युवक चरित्र निर्माण शिविर में 80 युवक प्रशिक्षित

रविवार 5 जून 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् एटा (उ.प्र.) के तत्वावधान में राजरानी इंटर कॉलेज, बहोरनपुरा, एटा में श्री शिशुपाल शास्त्री (अलीगढ़) की अध्यक्षता में युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य आयोजन किया। इसमें ग्रामीण क्षेत्र से 80 युवक प्रशिक्षित किये गये। श्री कृष्णपाल सिंह, श्रीमती ममता चौहान, यज्ञवीर चौहान के अथक प्रयासो से शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। श्री यदुवीर सिंह सोलंकी, सतेन्द्र सिंह, गोविन्द तोमर, सुखपाल सिंह, विपिन सिंह का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। लगभग 10 गांवों से लोग भजन, सत्संग का आनन्द लेने आते रहे। वैदिक साहित्य नि:शुल्क वितरित किया गया। मद्यपान व धूम्रपान छोड़ने का कई लोगों ने संकल्प लिया। 50 घरों पर 'ओ३म्' ध्वज व स्वामी दयानन्द के चित्र लगाये गये। श्री करन सिंह वर्मा ने योगासन करवाये। डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, श्री शिवराज शास्त्री, सतीश सत्यम, राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई, राम कुमार सिंह के उद्बोधन हुए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 33वां राष्ट्रीय अधिवेशन एवं विराट आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन

रविवार, 4 सितम्बर 2011, प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक

स्थान : आर्य समाज, दीवान हॉल, चांदनी चौक दिल्ली-110006

सभी आर्य जन आर्य युवक पधारकर आर्य समाज की एकता व संगठन शक्ति का परिचय दें। बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपनी सूचना शीघ्र दें जिससे आवास, भोजन आदि का यथोचित प्रबन्ध हो सके।

भवदीय

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष **महेन्द्र भाई** महामंत्री मो. 9013137070

डॉ. स्वामी दिव्यानन्द जी गुरुकुल करतारपुर के कुलपति बने

सर्वप्रिय तथा योगशिरोमणि संन्यासी दिव्यानन्द जी सरस्वती महाराज को श्री गुरु विरजानन्द स्मारक ट्रस्ट गुरुकुल करतारपुर (पंजाब) का आजीवन कुलपति मनोनीत किया गया है। दो विषयों वेद और दर्शनशास्त्र में एम.ए., पीएच.डी. 'वेदों में योग विद्या' तथा डी. लिट् 'अन्त:करण चतुष्टम् तथा बुद्धिविकास' विषय पर है। आप गुरुकुल झज्झर (हरियाणा) के स्नातक हैं। सम्पर्क सूत्र :- दिल्ली - 09868593232, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड - 0812664031, पंजाब - 09876016731

-स्वामी मधुरानन्दा

ऐमिटी नोएडा शिविर में 200 युवक वैदिक विचारधारा से संस्कारित हुए

शिविर में पुरस्कृत युवक श्री आनन्द चौहान, डॉ. अनिल आर्य, मायाप्रकाश त्यागी, डॉ. एस. सीतारमन व रामकुमार सिंह के साथ व दायें चित्र में युवक व्यायाम प्रदर्शन करते हुए

फरीदाबाद युवक शिविर में ग्रामीण अंचलों के युवक प्रशिक्षित

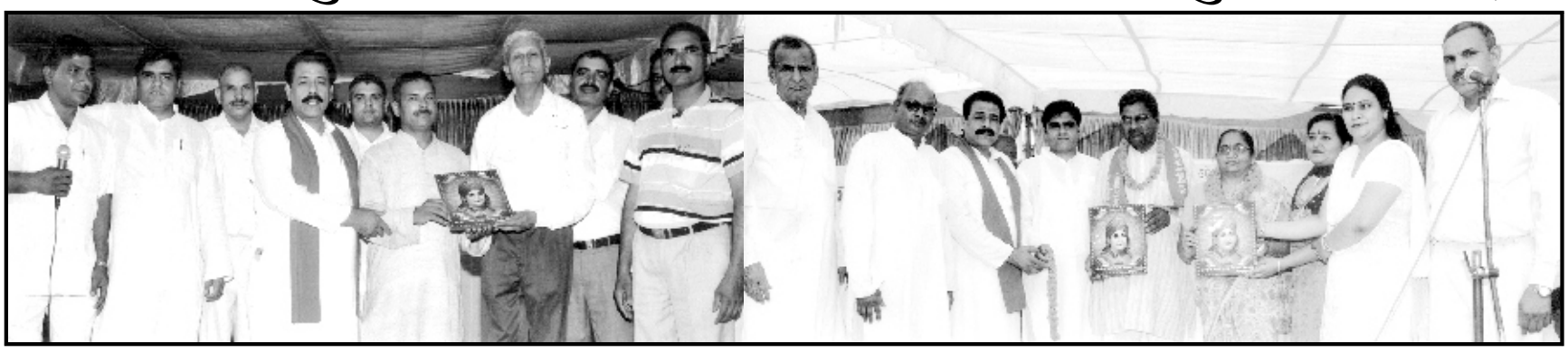

चित्र में शिविराध्यक्ष आचार्य प्रेमपाल शास्त्री (गुरुकुल पूठ) को सम्मानित करते डॉ. अनिल आर्य व श्री बृजमोहन बातिस, साथ में श्री सत्यपाल सिंह, सत्यभूषण आर्य (एडवोकेट), जितेन्द्र सिंह आर्य, विजयभूषण आर्य, सुधीर कपूर व गजराज आर्य। दाएं चित्र में आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद की नवनिर्वाचित प्रधान श्रीमती विमला ग्रोवर व महामन्त्री श्री महेश गुप्ता का अभिनन्दन करते बाएं से मनोहरलाल चावला (सोनीपत), कुलभूषण आर्य, डॉ. अनिल आर्य, सत्यभूषण आर्य, ज्योति आर्या, आशा आर्या व जितेन्द्र सिंह आर्य

डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया प्रधान निर्वाचित

रविवार, 19 जून 2011, आर्य समाज, बी ब्लॉक, जनकपुरी, दिल्ली के चुनाव में वैदिक विद्वान, साहित्यकार व लेखक डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया प्रधान निर्वाचित हुए। उनके साथ उपप्रधान श्री केवलकृष्ण कपानिया, श्री कृष्ण बवेजा, श्री कृष्णलाल कुमार, मन्त्री श्री जगदीश गुलाटी, उपमंत्री श्री योगेश्वर आर्य, कोषाध्यक्ष श्री यशपाल आर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा खुराना, अधिष्ठाता श्री विनय आर्य व लेखा निरीक्षक श्री रविन्द्र आर्य चुने गये।

श्री जगदीश शरण आर्य पुनः प्रधान निर्वाचित

रविवार, 26 जून 2011, आर्य समाज, मंगोलपुरी, दिल्ली के चुनाव में श्री जगदीश शरण आर्य प्रधान, श्री बद्रीप्रसाद उपप्रधान, श्री धर्मपाल आर्य मंत्री, श्री महेन्द्र टांक उपमंत्री, श्री चंचलदास आर्य कोषाध्यक्ष, श्री दीवान सिंह चन्देल प्रचार मंत्री व देवेन्द्र आर्य शाखा नायक चुने गये।

यज्ञ प्रेमी माता धर्मदेवी भगत का निधन

आर्य समाज अशोक विहार फेज-1, दिल्ली की कर्मठ सदस्या यज्ञ प्रेमी माता धर्मदेवी भगत आयु 97 वर्ष का गत 3 जून 2011 को निधन हो गया।

उनके सुपुत्रों में श्री वेदप्रकाश भगत, श्री सुभाष भगत, श्री सुदेश भगत, श्री वीरेन्द्र भगत है तथा माता जी के पोते श्री देवेन्द्र भगत परिषद् के राष्ट्रीय प्रेस सचिव है। सारा परिवार वैदिक विचार धारा व आर्य समाज के लिए समर्पित है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। **–डॉ. अनिल आर्य**

श्री सुरेन्द्रसिंह आर्य (अलीगढ़) का निधन

आर्य समाज मंदिर दादों (अलीगढ़, उ.प्र. के 35 वर्षों से निर्विवाद कोषाध्यक्ष श्री शिशुपाल सिंह आर्य के पूज्य पिताजी श्री सुरेन्द्र सिंह आर्य का निधन 3.6.2011 को हृदय गति रुकने से हो गया। आपके बड़े भाई स्वामी धीरानन्द सरस्वती आर्य समाज दादों के संस्थापक रहे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। **–डॉ. ऋषिपाल शास्त्री**

श्री सतेन्द्र सेठी का निधन

आर्य समाज, डी ब्लॉक, विकासपुरी, नई दिल्ली के प्रधान श्री जनकराज सेठी के सुपुत्र श्री सतेन्द्र सेठी, आयु 37 वर्ष, का गत दिनों निधन हो गया। युवा उद्घोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। **–दयानन्द दहिया, मन्त्री**

राव हरिश्चन्द्र आर्य अमृत महोत्सव सम्पन्न

आर्य जगत के कर्मठ कार्यकर्ता राव हरिश्चन्द्र आर्य का अमृत महोत्सव एवं सार्वजनिक अभिनन्दन बसंतराव देशपांडे सांस्कृतिक सभागृह, नागपुर में स्वामी धर्मानन्द सरस्वती (आमसेना) की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी, आचार्य बलदेव जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द जी, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आचार्य दयासागर जी, स्वामी ऋतस्पति जी आदि अनेकों लोगों ने पधारकर शुभकामनाएं प्रदान कीं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से बधाई व शुभकामनाएं

–डॉ. अनिल आर्य

कोटा में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

रविवार, 12 जून 2011, आर्य समाज, विज्ञाननगर, कोटा (राजस्थान) में दस दिवसीय मार्शल आर्ट व आत्मरक्षा शिविर लगाया गया। इस अवसर पर प्रि. अशोक वर्मा, श्री हर्ष कोठारी, श्री अर्जुन देव चड्ढा (जिला प्रधान), दिनेश शर्मा, मुकेश चड्ढा, सुनील दुबे, कैलाश बाहेती, जे.एस. दुबे, बनवारीलाल सिंघल, अरविन्द पाण्डेय, राकेश चड्ढा (मंत्री) ने पधारकर अपनी शुभकामनाएं प्रदान कीं। प्रशिक्षक श्री डी.एस. शेखावत एवं अब्दुल वहीद ने बच्चो को प्रशिक्षण प्रदान किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09312406810